नराकास (बैंक), कोलकाता की विशेष बैठक

राजभाषा सचिव सुश्री नीता चौधरी की अध्यक्षता में

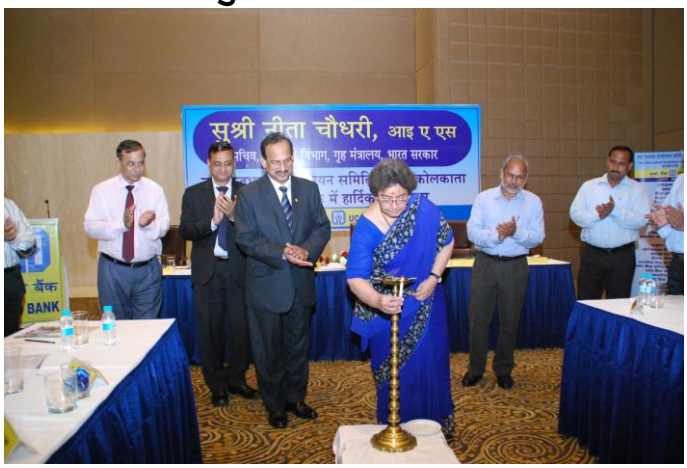

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (बैंक), कोलकाता की एक विशेष बैठक यूको बैंक के संयोजन में स्थानीय होटल ललित ग्रेट ईस्टर्न में 13 अक्तूबर, 2014 को आयोजित की गई, जिसमें भारत सरकार, गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग की सचिव सुश्री नीता चौधरी की उपस्थिति उल्लेखनीय है। यूको बैंक के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक श्री अरुण कौल की अध्यक्षता में संपन्न इस बैठक में बैंक के कार्यपालक निदेशक श्री जय कुमार गर्ग सहित कोलकाता स्थित विभिन्न बैंकों के वरिष्ठ कार्यपालक एवं राजभाषा अधिकारी उपस्थित हुए। बैठक का संचालन करते हुए यूको बैंक, प्रधान कार्यालय के मुख्य प्रबंधक (राजभाषा) श्री प्रदीप चतुर्वेदी ने नराकास की पिछले छः माह की गतिविधियों का ब्यौरा दिया। यूको बैंक के महाप्रबंधक (राजभाषा) श्री एस पी सिंह ने अतिथियों का स्वागत किया। मुख्य अतिथि एवं राजभाषा सचिव सुश्री नीता चौधरी ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि हिंदी केवल भारत ही नहीं, बल्कि पूरे विश्व में तेजी से लोकप्रिय हो रही है और व्यवसाय वृद्धि के लिए इसे अपनाना हम सबकी जरूरत है। नराकास (बैंक) के अध्यक्ष श्री अरुण कौल ने कहा कि वित्तीय समावेशन और प्रधान मंत्री जन-धन योजना की सफलता के लिए जरूरी है कि हम ग्रामीण ग्राहकों से संपर्क करने हेतु हिंदी के साथ-साथ अन्य स्थानीय भाषाओं का भी अधिक से अधिक प्रयोग करें। हिंदी फिल्मों तथा प्रधान मंत्री के हिंदी में दिए गए भाषणों की लोकप्रियता का उद्धरण देते हुए कार्यपालक निदेशक श्री जय कुमार गर्ग ने राजभाषा अधिकारियों से सरल हिंदी का प्रयोग करने की अपील की। सुश्री नीता चौधरी ने बैंकों के प्रतिनिधियों के साथ विचार विमर्श के दौरान उनके द्वारा हिंदी के प्रसार हेतु अपनाए गए विशिष्ट कार्यों की सराहना की और आपस में आदान-प्रदान के जरिये इससे अधिक से अधिक लाभ उठाने का सुझाव दिया।

यूको बैंक द्वारा डॉ सुरेश ऋतुपर्ण के व्याख्यान का आयोजन

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (बैंक), कोलकाता के तत्वावधान में यूको बैंक द्वारा कोलकाता स्थित प्रधान कार्यालय के सभागार में डॉ सुरेश ऋतुपर्ण के व्याख्यान का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता कर रहे महाप्रबंधक राजभाषा श्री एस पी सिंह ने तोक्यो यूनीवर्सिटी ऑफ फॉरेन स्टडीज के प्रोफेसर एवं के. के. बिड़ला फाउंडेशन, नई दिल्ली के निदेशक डॉ सुरेश ऋतुपर्ण का स्वागत किया। डॉ. सुधीर साहु ने डॉ ऋतुपर्ण के कृतित्व एवं विशद वैश्विक अनुभवों का संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन करते हुए श्री प्रदीप चतुर्वेदी ने राजभाषा हिंदी के प्रचार-प्रसार की दृष्टि से डॉ ऋतुपर्ण के प्रेरक व्यक्तित्व से परिचित कराया तथा भाषा एवं हिंदी से जुड़ी कुछ छंदबद्ध रचनाएं सुनाईं। श्री अजयेन्द्रनाथ त्रिवेदी ने व्याख्यान के लिए निर्धारित विषय "देश-विदेश में हिंदी : वर्तमान संदर्भ में" का प्रवर्तन करते हुए देश और विदेश में हिंदी के प्रचार-प्रसार के निहितार्थों तथा हिंदी के दोनों रूपों के अंतरसंबंध को रेखांकित किया। डॉ ऋतुपर्ण ने अपने व्याख्यान में फिजी, ट्रिनिडाड एंड टुबेगो तथा जापान के अपने सुदीर्घ प्रवास से जुड़े संस्मरण सुनाए। उन्होंने बड़े मनोरंजक तरीके से दुनिया के अनेक देशों में भारतीय संस्कृति की संवाहक के रूप में हिंदी की लोकप्रियता की प्रामाणिक जानकारी दी। महाप्रबंधक राजभाषा श्री एस पी सिंह ने भारतीय राष्ट्रीयकृत बैंकिंग क्षेत्र में हिंदी के प्रयोग से जुड़े अपने पिछले और वर्तमान अनुभवों को साझा किया। महाप्रबंधक सतर्कता श्री हरगोबिन्द सचदेव ने डॉ ऋतुपर्ण के व्याख्यान को अत्यंत प्रेरक एवं सूचनाप्रद बताते हुए प्रतिभागियों से अंग्रेजी के फैशन से बचते हुए बैंक और अपने निजी जीवन में हिंदी एवं स्थानीय भाषाओं के अधिक से अधिक प्रयोग के जरिये भारतीय संस्कृति से जुड़े रहने की अपील की। सेंट्रल बैंक के श्री जी के भल्ला एवं इलाहाबाद बैंक के श्री राजेश्वर वशिष्ठ ने ऐसे सार्थक व्याख्यान के लिए डॉ ऋतुपर्ण को धन्यवाद दिया। कार्यक्रम में यूको बैंक के कार्यपालकों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ-साथ नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, (बैंक) के सदस्य बैंकों के राजभाषा अधिकारी एवं प्रतिनिधि उत्साहजनक संख्या में मौजूद थे।

यूको बैंक में नेताजी सुभाषचन्द्र बोस की जयंती पर कार्यक्रम

प्रान्तीय ईर्ष्या-द्वेष को कम करने में जितनी सहायता हिन्दी प्रचार से मिलेगी उतनी और किसी चीज से नहीं । **सुभाषचन्द्र बोस**

यूको बैंक द्वारा केंद्रीय पुस्तकालय तथा राजभाषा विभाग के संयुक्त तत्त्वावधान में आयोजित किए जानेवाले कार्यक्रमों की नई कड़ी में सुभाष जयंती की पूर्वसंध्या में एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। बैंक के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक श्री अरुण कौल, कार्यपालक निदेशक श्री जय कुमार गर्ग तथा अन्य स्टाफ सदस्यों ने नेताजी के चित्र पर फूल चढ़ाकर उन्हें अपनी श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम की शुरुआत समवेत स्वरों में राष्ट्रगीत वंदेमातरम के गायन के साथ हुई। स्टाफ सदस्यों ने 'मुक्तीर मंदिर सपन तले', 'कर चले हम फिदा', देश मेरे, 'कदम कदम बढाए जा' जैसे देशभक्ति के गीत प्रस्तुत करके वातावरण को देशप्रेम के रंग में रंग दिया। श्री कुमार किसलय झा ने 'चढ़ती जवानियों का श्रंगार मॉगता हूं' तथा श्री अजयेंद्र नाथ त्रिवेदी ने बच्चन जी की अग्निपथ कविता का पाठ करके नेताजी को विनम्र श्रद्धांजलि दी।

उपमहाप्रबंधक श्री एस.एम. अहमद ने नेताजी के जीवन से जुड़े कुछ संस्मरणों के माध्यम से आजाद सिंह फौज के गठन तथा अंग्रेजों के साथ मुकाबले के दौरान नेताजी की दृढ़ इच्छा शक्ति और समर्पण भावना की चर्चा की। महाप्रबंधक श्री अतुल सिन्हा ने नेताजी को याद करने के लिए राजभाषा विभाग द्वारा आयोजित किए गए कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि इन खास मौकों पर ऐसे कार्यक्रमों में शामिल

होने से हम सभी अपने भीतर एक अनूठी ऊर्जा का अनुभव करते हैं। उन्होंने देश को एक सूत्र में बांधने के लिए हिन्दी भाषा के प्रति नेताजी की सोच तथा उनकी प्रतिबद्धता का विशेष रूप से उल्लेख किया। कार्यक्रम का संचालन करते हुए श्री प्रदीप चतुर्वेदी ने दिनकर जी की प्रसिद्ध पंक्तियां 'क्षमा शोभती उस भुजंग को जिसके पास गरल हो' उद्धृत करते हुए कहा कि नेताजी सदैव इस पर बल देते थे कि हमें स्वयं को समर्थ बनाना चाहिए तभी हमारी बात को सुना जाएगा, समर्थ होने पर ही विनयशीलता शोभायमान होती है।

श्री अरूण कौल ने आजाद भारत के निर्माण में नेताजी के योगदान का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत के हर नागरिक के हृदय में नेताजी के प्रति अत्यंत सम्मान का भाव है। अपने त्याग एवं जुझारूपन के लिए उन्हें सदा याद रखा जाएगा।

नराकास (बैंक), कोलकाता की 58वीं बैठक में पुरस्कार वितरण

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (बैंक), कोलकाता की 58वीं बैठक संयोजक यूको बैंक के कार्यपालक निदेशक श्री जय कुमार गर्ग की अध्यक्षता में बैंक के प्रधान कार्यालय भवन के सभागार में संपन्न हुई। यूको बैंक के महाप्रबंधक (राजभाषा) श्री एस पी सिंह ने बैठक में उपस्थित सदस्य बैंकों के कार्यालय प्रमुखों एवं राजभाषा अधिकारियों का स्वागत किया। पिछले वित्तीय वर्ष के दौरान सदस्य बैंकों द्वारा नराकास के तत्वावधान में जिन प्रतियोगिताओं के आयोजन किए गए थे, उनके विजेता प्रतियोगियों को कार्यपालक निदेशक श्री जय कुमार गर्ग ने पुरस्कार प्रदान किए।

सदस्य सचिव श्री प्रदीप चतुर्वेदी ने बैठक का संचालन करते हुए वित्तीय वर्ष 2013-2014 के दौरान श्रेष्ठ कार्यान्वयन हेतु सदस्य बैंकों को पुरस्कारों की घोषणा की। चार निर्धारित वर्गों में से **क वर्ग** के प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय पुरस्कार क्रमश: यूको बैंक, इलाहाबाद बैंक एवं युनाइटेड बैंक ऑफ़ इंडिया को प्राप्त हुए। **ख वर्ग** के लिए प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय पुरस्कार क्रमश: पंजाब नैशनल बैंक, बैंक ऑफ़ बड़ौदा एवं इंडियन ओवरसीज़ बैंक को तथा प्रोत्साहन पुरस्कार केनरा बैंक एवं सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया को प्राप्त हुए। **ग वर्ग** में प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय पुरस्कार क्रमश: सिंडिकेट बैंक, आंध्रा बैंक एवं बैंक ऑफ़ महाराष्ट्र को तथा इंडियन बैंक, देना बैंक एवं कॉर्पोरेशन बैंक को प्रोत्साहन पुरस्कार प्राप्त हुए। **घ वर्ग** के लिए प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय पुरस्कार क्रमश: सिडबी, नाबार्ड एवं एक्जिम बैंक को तथा एनएचबी (राष्ट्रीय आवास बैंक) को प्रोत्साहन पुरस्कार प्राप्त हुआ।

सदस्य बैंकों द्वारा प्रस्तुत अप्रैल-सितंबर 2014 की छमाही प्रगति रिपोर्ट के आधार पर हिन्दी तथा स्थानीय भाषा में हो रहे कामकाज के स्तर की समीक्षा के पश्चात बैठक को विशेष रूप से आमंत्रित भारतीय रिज़र्व बैंक के महाप्रबंधक श्री जी एन रथ, भारत सरकार गृह मंत्रालय राजभाषा विभाग के प्रभारी अधिकारी (पूर्व) श्री निर्मल कुमार दुबे, हिन्दी शिक्षण योजना के उपनिदेशक (पूर्व) श्री राम नारायण सरोज तथा केन्द्रीय अनुवाद ब्यूरो के सहायक निदेशक श्री सतीश कुमार पाण्डेय ने संबोधित किया। यूको बैंक के कार्यपालक निदेशक श्री जय कुमार गर्ग ने अपने अध्यक्षीय

वक्तव्य में सभी पुरस्कृत व्यक्तिगत प्रतियोगियों तथा श्रेष्ठ कार्यान्वयन का पुरस्कार जीतने वाले बैंकों को बधाई दी। श्री गर्ग ने शेष बैंकों से अगली बार पुरस्कार प्राप्त करने के लिए अपने प्रयासों में तेजी लाते हुए हिन्दी के प्रयोग को आदर्श स्तर तक पहुंचाने की अपील की।

यूको बैंक की हिंदी पत्रिका अनुगूँज का लोकार्पण क्षेत्रीय राजभाषा सम्मेलन में

बैंक की हिंदी गृह पत्रिका अनुगूंज के अक्तूबर-दिसंबर, 2014 अंक को राजभाषा विशेषांक के रूप में प्रकाशित किया गया, जिसमें दक्षिण भारत में महात्मा गांधी की प्रेरणा से हिंदी प्रचार में लगे हिंदी विद्वानों से आमंत्रित आलेखों का संकलन किया गया है। अनुगूँज के इस विशिष्ट अंक का विमोचन कोलकाता में पश्चिम बंगाल एवं बिहार के राज्यपाल महामहिम श्री केसरी नाथ त्रिपाठी द्वारा किया गया। इस अवसर पर श्रीमती पूनम जुनेजा, संयुक्त सचिव, राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार; श्री हरेंद्र कुमार, निदेशक (कार्यान्वयन), राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार; डॉ. जयप्रकाश कर्दम, निदेशक, हिंदी प्रशिक्षण योजना, भारत सरकार; श्री पी. वाई. राजेंद्र कुमार, महानिदेशक, नेशनल लाइब्रेरी, कोलकाता; श्री अतुल सिन्हा, महाप्रबंधक (सूचना प्रौद्योगिकी एवं बीपीआर तथा बीपीडी), यूको बैंक; श्री प्रदीप चतुर्वेदी, मुख्य प्रबंधक (राजभाषा), राजभाषा विभाग, यूको बैंक उपस्थित थे। इस सम्मेलन में पूर्व एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र में स्थित 12 राज्यों में स्थित बैंकों, सरकारी कार्यालयों तथा उपक्रमों के लगभग 400 कार्यपालक एवं राजभाषा अधिकारी उपस्थित थे।